

**Shri A. P. Jain:** How can I do the accounting, when we do not know what the cost of development is?

**Mr. Speaker:** He must have known the acquisition rates . . .

**Shri A. P. Jain:** No, I do not know.

**Mr. Speaker:** The hon. Member wants to know the rate at which the land had been acquisitioned during those days.

**Shri Mehr Chand Khanna:** This might have been acquisitioned or this might have been nazul land ages ago. It is part of old Delhi or New Delhi. We developed it ten or twelve years ago, may be, at a cost of As. 10 to Rs. 12 per square yard; I have no idea of that whatsoever.

**Shri A. P. Jain:** We would like to have a half-an-hour discussion on this. This is a very vague answer. Neither the acquisition value nor the total cost of development has been given.

**Mr. Speaker:** I can decide only if he sends me a notice.

**Shri A. P. Jain:** I shall send a regular notice seeking a half-an-hour discussion.

**Shri Mehr Chand Khanna:** Let me complete my answer with your permission. This land was developed a long time ago. The land values have gone very high, not only in Delhi but in other parts of the country too, and the lands have been sold at a fairly big price. This is the statement that I am making before the House.

**Shri A. P. Jain:** The hon. Minister has not at all answered my question.

श्रीधियों का विज्ञापन

+

{ श्री कछवाय :

श्री यु० सि० चौधरी :

\*५२७. { श्री बड़े :

{ श्री बेरवा कोटा :

क्या स्वास्थ्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार ने किन-किन रोगों तथा उनकी औषधियों के विज्ञापनों पर प्रतिबन्ध लगा रखे हैं ;

(ख) यह प्रतिबन्ध किस आधार पर लगाये गये हैं ; और

(ग) १९६१-६२ में इस नियम का उल्लंघन करने वाले कितने व्यक्तियों अथवा फर्मों को दण्ड दिया है ?

स्वास्थ्य मंत्रालय में उपमंत्री (डा० ब० स० राजू) : (क) और (ख). एक विवरण, जिसमें अक्षित सूचा ी गई है, सभा पटल पर रखा गया है । [पुस्तकालय में रखा गया, देखिये संख्या एल० टी-१०१२।६३ ।]

(ग) भेषज एवं ऐन्दुनालिक उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम के पबन्धों का उल्लंघन करने पर १९६१-६२ में १४ व्यक्तियों अथवा फर्मों को ठोपी पाया गया ।, न सभी मामलों में जुर्माने किये गये और कोई कैद की सजा नहीं दी गई ।

**An Hon. Member:** We are not able to follow the Hindi answer.

**Mr. Speaker:** What can I do? If he does not read out the answer in Hindi there are objections.

**Shri Surendranath Dwivedy:** It can very well be read out by the hon. Minister of Health.

**Dr. Ram Subhag Singh:** He is reading very nicely. Now, the Deputy Minister may read out the answer in English.

**Mr. Speaker:** How can a new Minister get used to reading in Hindi, if we do not allow him to do so?

**Shri Surendranath Dwivedy:** Is the House to be a school for that purpose?

**Shri Raghunath Singh:** My hon. friend can understand Hindi very well.

**श्री कछवाय :** अध्यक्ष महोदय, समझ में नहीं आता कि मंत्री महोदय क्या कह रहे हैं ।

**अध्यक्ष महोदय :** तो क्या मैं उन को कहूँ कि वह अपनी मातृ-भाषा में जवाब पढ़ें ? उन्होंने हिन्दी में जवाब पढ़ दिया है और अब अंग्रेजी में पढ़ेंगे । जब वह हिन्दी में पढ़ते तो कुछ माननीय सदस्य कहते हैं कि उन को समझ में नहीं आया और जब वह अंग्रेजी में पढ़ते ह, तो आप कहते हैं कि समझ में नहीं आया । तब तो मैं उनको कहूँगा कि वह अपनी मातृ-भाषा में पढ़ें, जो किसी को भी समझ में न आए । यहां पर दी हो जबां हो सकती है — हिन्दी या अंग्रेजी ।

**Dr. D. S. Raju :** (a) and (b). A statement giving the information is laid on the Table of the House. [Placed in Library, See No. LT-1012/63].

(c) Fourteen persons or firms were convicted for violating the provisions of the Drugs and Magic Remedies (Objectionable Advertisements) Act during 1961-62. In all cases, fines were imposed and no imprisonment was awarded.

**श्री कछवाय :** श्रीमान्, मैं यह जानना चाहता हूँ कि इस सम्बन्ध में कितने लोगों को पकड़ा गया है और कितने लोगों को सजा हुई ।

**स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) :** चौदह लोगों को सजा हुई और उन सब को फाइन हुआ । उन सबको जेल खाने नहीं भेजा गया ।

**श्री कछवाय :** क्या मैं जान सकता हूँ कि उन में अधिकांश किस प्रान्त के लोग थे और क्या इस में किसी विदेशी का भी हाथ था ?

**डा० सुशीला नायर :** मेरे पास इस बारे में कोई प्रान्तवार ब्यौरा नहीं है, लेकिन इस में कोई विदेशी का सम्बन्ध नहीं आता है ।

**श्री बेराव कोटा :** मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या इस में सरकारी अधिकारियों या डाक्टरों का भी हाथ था ।

**डा० सुशीला नायर :** जी नहीं ।

**श्री यशपाल सिंह :** क्या सरकार को मालूम है कि आज भी दिल्ली के मकानों और दीवारों पर अश्लील विज्ञापन लगे हुए हैं ? यदि हां, तो सरकार ने उन को रोकने के लिए क्या कार्यवाही की है ?

**डा० सुशीला नायर :** माननीय सदस्य भी एक नागरिक के तौर पर इस बारे में ऐक्शन ले सकते हैं ।

**अध्यक्ष महोदय :** माननीय सदस्य यह जानना चाहते हैं कि सरकार ने क्या ऐक्शन लिया है ।

**डा० सुशीला नायर :** मैं नहीं समझती कि केन्द्रीय सरकार एक-एक सड़क पर देख कर, तलाश कर के, उस पर ऐक्शन ले सकती है । राज्य सरकारें अपने-अपने राज्यों में ऐक्शन लेती हैं । पिछले साल में राज्य सरकारों ने जितने ऐक्शन लिए हैं, वे मैं ने आपके सामने निवेदन कर दिए हैं । उस के उपरान्त अगर किसी और जगह पर ऐक्शन लेना चाहिये था और वह नहीं लिया गया, इस बारे में अगर माननीय सदस्य कोई विशेष जानकारी देंगे, तो मैं जरूर राज्य सरकार को कहूँगी ।

**एक माननीय सदस्य :** दिल्ली के केपिटल है । यहां पर राज्य सरकार नहीं है ।

**अध्यक्ष महोदय :** दिल्ली की सरकार है । माननीय सदस्य उसके नोटिस में लायेंगे, तो वह जरूर ऐक्शन लेगी ।

**डा० सुशीला नायर :** श्रीमन्, दिल्ली में चीफ कमिशनर साहब एक्शन लेते हैं, भारत सरकार नहीं ।

**अध्यक्ष महोदय :** यहां पर चीफ कमिशनर की जिम्मेदारी नहीं है । यहां की जिम्मेदारी सेंट्रल गवर्नमेंट की है ।

**Shri A. T. Sarma:** May I know whether these rules are applicable to ayurvedic drugs also?

**डा० सुशीला नायर :** चार पांच किस्म की दवायें हैं, जिन के बारे में यह कानून ज्यादा लागू होता है । अगर जादू के किस्म की दवाओं के बारे में कोई भी एडवर्टाइजमेंट करता है, तो उस को सजा दी जाती है । कुछ समय पहले हमदर्द दवा खाने पर भी एक केस चला था ।

**Mr. Speaker:** Next question

**Shri A. T. Sharma:** rose—

**Mr. Speaker:** Order, order. Next question.

राज्यों में पीने का पानी

+

५२८. { श्री बाल कृष्ण सिंह :  
श्री विठ्ठलनाथ राय :  
श्री पें० वेंकटसुब्बैया :

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कुछ राज्यों में “शुद्ध पय जल उपलब्ध करने के लिए सरकार ने कोई योजना बनाई है ; और

(ख) यदि हां, तो उत्तर प्रदेश के किन क्षेत्रों में इस योजना को क्रियान्वित किया जायेगा ?

**स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) :**

(क) जी हां । राष्ट्रीय जल प्रदाय एवं सफाई योजना १९५४ में बनाई गई थी

और द्वितीय एवं तृतीय च वर्षीय योजनाओं में भी यह चलती आ रही है ।

(ख) यह कार्यक्रम किसी खास क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है । ये योजनायें राज्य के विभिन्न स्थानों में क्रियान्वित की जा रही हैं । राष्ट्रीय जल प्रदाय एवं कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के जिन स्थानों के लिए अब तक जल प्रदाय योजनाएं स्वीकृत की गई हैं, उन की एक सूची सभा-पटल पर रख दी गई है । [पुस्तकालय में रखा गया, देखिये संख्या एल० टी० १०१३।६३ ।]

**श्री बाल कृष्ण सिंह :** श्रीमन् मैं यह जानना चाहता हूं कि जिन स्थानों में यह योजना लागू की जा रही है उन स्थानों के चुनाव के लिए किन-किन बातों को ध्यान में रखा गया है ?

**डा० सुशीला नायर :** राज्य सरकारें किन बातों को ध्यान में रख कर चुनाव करती हैं, यह मैं निश्चित रूप से तो नहीं कह सकती । आवश्यकता वगैरह को देख कर वे ऐसा करती होंगी । जो स्कीम्स हमारे पास राज्य सरकारों की ओर से आती हैं, उन को टेक्निकल दृष्टि से देख कर उन के लिए यहां से सहायता दी जाती है ।

**श्री बाल कृष्ण सिंह :** स्टेटमेंट के पेज ४, आइटम १४ पर लिखा है, “विलेजज नियर इरिगेशन ट्यूबवेलज” । मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या यह एक जेनरल पालिसी है कि जो गांव इरिगेशन ट्यूबवेलज के निकट हों, उन में यह स्कीम लागू की जाये कुछ खास स्थान इस सम्बन्ध में चुने गए हैं ।

**डा० सुशीला नायर :** जिन जगहों पर इरिगेशन ट्यूबवेल का पानी मीठा और अच्छा होता है, उस को ले कर पीने के पानी का प्रबन्ध किया जा सकता है और कुछ पर किया भी गया है ।